



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 15 मार्च, 2003/24 फाल्गुन, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

सोलन, 22 फरवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76 (पंच) 2003-1055-61.—यह कि श्री प्रेम लाल सदस्य, ग्राम पंचायत बसन्तपुर, वार्ड नं० 1 विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश को इस कार्यालय द्वारा कारण बताओ नोटिस पंजीकृत संख्या सोलन 3-76 (पंच) 2002-734-39 दिनांक 3-2-2003 द्वारा 15 दिनों के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए थे। क्योंकि न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 12 के खण्ड (ण) के अन्तर्गत सदस्य के पद पर पदासीन रहने के अयोग्य मानते हुए पद को रिक्त घोषित किया जाए।

क्योंकि श्री प्रेम लाल सदस्य, ग्राम पंचायत बसन्तपुर, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश से कारण बताओ नोटिस पर निर्धारित अवधि में कोई स्पष्टीकरण इस कार्यालय को प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि कारण बताओ नोटिस के बारे में उन्हें कुछ नहीं कहना है, और उसमें

लगाए गए आरोप सही हैं। पंचायत पदाधिकारियों की दो सन्तानों से अधिक सन्तान होने पर अयोग्यता का प्रावधान 8 जून, 2000 को पंचायती राज अधिनियम में लाया गया। परन्तु इस प्रावधान पर अमल को छूट 8 जून, 2001 तक दी गई थी। इस प्रकार वर्णित प्रावधान में प्रत्येक पंचायत पदाधिकारी जिसके 8 जून, 2001 के पश्चात् दो सन्तान से अधिक सन्तान उत्पन्न होती है वह अपने पद पर बने रहने के अयोग्य है। ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में श्री प्रेम लाल, सदस्य, ग्राम पंचायत बसन्तपुर, वार्ड नं० 1 विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश का सदस्य पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्घृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, भरत खेड़ा (भा० प्र० से०) उपायुक्त सोलन, जिला सोलन, उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अधीन प्राप्त हैं श्री प्रेम लाल सदस्य, ग्राम पंचायत बसन्तपुर, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश को तत्काल सदस्य पद पर रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ। तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 131 (1) के प्रावधान के अनुपालना में ग्राम पंचायत बसन्तपुर, वार्ड नं० 1 विकास खण्ड कुनिहार, के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

सोलन, 22 फरवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76/(पंच) 2003-1062-68.—यह कि श्री बाबू राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कोटबेजा, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) को इस कार्यालय द्वारा कारण बताओ नोटिस पंजीकृत संख्या सोलन-3-76 (पंच) 2003-722-27, दिनांक 3-2-2003 द्वारा 15 दिनों के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए थे। क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 के खण्ड (ण) के अन्तर्गत उप-प्रधान के पद पर पदासीन रहने के अयोग्य मानते हुए पद को रिक्त घोषित किया जाए।

क्योंकि श्री बाबू राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कोटबेजा, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) से कारण बताओ नोटिस पर निर्धारित अवधि में कोई स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है। जिस से यह स्पष्ट होता है कि कारण बताओ नोटिस के बारे में उन्हें कुछ नहीं कहना है और उसमें लगाए गए आरोप सही हैं। पंचायती अधिकारियों की दो सन्तानों से अधिक सन्तान होने पर अयोग्यता का प्रावधान 8 जून, 2000 को पंचायती राज अधिनियम में लाया गया। परन्तु इस प्रावधान पर अमल की छूट 8 जून, 2001 तक दी गई थी। इस प्रकार वर्णित प्रावधान में प्रत्येक पंचायती राज अधिनियम जिसके 8 जून, 2001 के पश्चात् दो सन्तान से अधिक सन्तान उत्पन्न होती है। वह अपने पद पर बने रहने के अयोग्य है। ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में श्री बाबू राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कोटबेजा, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) का पद पर पदासीन रहना हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्घृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, भरत खेड़ा (भा० प्र० से०), उपायुक्त, सोलन (हि० प्र०) उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अधीन प्राप्त है। श्री बाबू राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कोटबेजा, जिला सोलन (हि० प्र०) को तत्काल उप-प्रधान के पद पर पदासीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 131 (1) के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत कोटबेजा, विकास खण्ड धर्मपुर के उप-प्रधान पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

सोलन, 22 फरवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76(पंच)/2003-1048-54.—यह कि श्री नीम चन्द सदस्य, ग्राम पंचायत दसेरन, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन (हि० प्र०) को इस कार्यालय द्वारा कारण बताओ नोटिस पंजीकृत संख्या

सोलन-3-76(पंच)/728-33 दिनांक 3-2-2003 द्वारा 15 दिनों के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए थे। क्यों न उन्हें पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा-122 के खण्ड (ण) के अन्तर्गत सदस्य के पद पर आसीन रहने के अयोग्य मानते हुए पद को रिक्त घोषित किया जाए।

क्योंकि श्री नीम चन्द सदस्य, ग्राम पंचायत दसेरन, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन (हि० प्र०) से कारण बताओ नोटिस पर निर्धारित अवधि में कोई स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि कारण बताओ नोटिस के बारे में उन्हें कुछ नहीं कहना है और उसमें लगाए गए आरोप सही हैं। पंचायत पदाधिकारियों को दो सन्तानों से अधिक सन्तान होने पर अयोग्यता का प्रावधान 8 जून, 2000 को पंचायती राज अधिनियम लाया गया है। परन्तु इस प्रावधान पर अमल की छूट 8 जून, 2001 तक दी गई थी। इस प्रकार वर्णित प्रावधान में प्रत्येक पंचायती राज अधिनियम, जिसके 8 जून, 2001 के पश्चात् दो सन्तान से अधिक सन्तान उत्पन्न होती हैं। वह अपने पद पर बने रहने के अयोग्य हैं। ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में श्री नीम चन्द सदस्य, ग्राम पंचायत दसेरन, वार्ड नं० 1 विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन (हि० प्र०) का सदस्य पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्धृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, भरत खेड़ा (भा० प्र० से०) उपायुक्त सोलन, जिला सोलन उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 122(1) के खण्ड (ण) व 122(2) के अधीन प्राप्त है। श्री नीम चन्द सदस्य ग्राम पंचायत दसेरन, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन हि० प्र० को तत्काल सदस्य पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ। तथा हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 131(1) के प्रावधान के अनुपालना में ग्राम पंचायत दसेरन, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड कुनिहार, के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

सोलन, 22 फरवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76(पंच)/2003-1076-82.—यह कि श्री विजय कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत दंधोल, वार्ड नं० 3, विकास खण्ड कण्डाघाट, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश को इस कार्यालय द्वारा कारण बताओ नोटिस पंजीकृत संख्या सोलन 3-76(पंच)/2002-716-21, दिनांक 3-2-2003 द्वारा 15 दिनों के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए थे। क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 के खण्ड(ण) के अन्तर्गत सदस्य के पद पर पदासीन रहने के अयोग्य मानते हुए पद को रिक्त घोषित किया जाए।

क्योंकि श्री विजय कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत दंधोल, वार्ड नं० 3, विकास खण्ड कण्डाघाट, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश से कारण बताओ नोटिस पर निर्धारित अवधि में कोई स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि कारण बताओ नोटिस के बारे में उन्हें कुछ नहीं कहना है और उसमें लगाए गए आरोप सही हैं। पंचायत पदाधिकारियों को दो सन्तानों से अधिक सन्तान होने पर अयोग्यता का प्रावधान 8 जून, 2000 को पंचायती राज अधिनियम में लाया गया। परन्तु इस प्रावधान पर अमल की छूट 8 जून, 2001 तक दी गई थी। इस प्रकार वर्णित प्रावधान में प्रत्येक पंचायती राज अधिनियम जिसके 8 जून 2001 के पश्चात् दो सन्तान से अधिक सन्तान उत्पन्न होती है वह अपने पद पर बने रहने के अयोग्य हैं। ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में श्री विजय कुमार, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत दंधोल, विकास खण्ड कण्डाघाट, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश का सदस्य पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्धृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, भरत खेड़ा (भा० प्र० से०), उपायुक्त सोलन, जिला सोलन उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122(1) के खण्ड (ण) व 122(2) के अधीन प्राप्त है श्री विजय कुमार सदस्य, ग्राम पंचायत दंधोल, वार्ड नं० 3, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश को तत्काल सदस्य पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 131(1) के प्रावधान के अनुपालना में ग्राम पंचायत दंधोल, वार्ड नं० 3, विकास खण्ड कण्डाघाट, के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

सोलन, 22 फरवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76 (पंच)/2003-1069-75.—यह कि श्री देवी दयाल, सदस्य, ग्राम पंचायत सूरजपुर, वार्ड नं० 4, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) को इस कार्यालय द्वारा कारण बताओ नोटिस पंजीकृत संख्या सोलन-3-76 (पंच)/2002-740-45, दिनांक 3-2-2003 द्वारा 15 दिनों के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए थे। क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 के खण्ड (ण) के अन्तर्गत सदस्य के पद पर पदासीन रहने के अयोग्य मानते हुए पद को रिक्त घोषित किया जाए :

क्योंकि श्री देवी दयाल, सदस्य, ग्राम पंचायत सूरजपुर, वार्ड नं० 4, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) के कारण बताओ नोटिस पर निर्धारित अवधि में कोई स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि कारण बताओ नोटिस के बारे में उन्हें कुछ नहीं कहना है और उसमें लगाए गए आरोप सही हैं। पंचायत पदाधिकारियों की दो से अधिक सन्तान होने पर अयोग्यता का प्रावधान 8 जून, 2000 को पंचायती राज अधिनियम में लाया गया। परन्तु इस प्रावधान में अमल की छूट 8 जून, 2001 तक दी गई थी। इस प्रकार वर्णित प्रावधान में प्रत्येक पंचायती राज अधिनियम जिसके 8 जून, 2001 के पश्चात् दो सन्तान से अधिक सन्तान उत्पन्न होती है। वह अपने पद पर बने रहने के अयोग्य है। ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में श्री देवी दयाल, सदस्य, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत सूरजपुर, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) का सदस्य पद पर पदासीन रहना हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्धृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, भरत खेड़ा (भा० प्र० से०), उपायुक्त, सोलन, जिला सोलन उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मझे हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अधीन प्राप्त हैं। श्री देवी दयाल, सदस्य, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत सूरजपुर, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) को तत्काल सदस्य पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा पंचायती राज अधिनियम की धारा 131 (1) के प्रावधान के अनुपालना में ग्राम पंचायत सूरजपुर, वार्ड नं० 4, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

कारण बताओ नोटिस

सोलन, 5 मार्च, 2003

संख्या सोलन-3-76(पंच)/2003-1151-56.—यह कि श्री पवन कुमार सदस्य, ग्राम पंचायत मजली, वार्ड नं० 6, विकास खण्ड नालागढ़, जिला सोलन, (हि० प्र०) पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ण) की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जोकि निम्न प्रकार है।

(ग) यदि उसके दो से अधिक सन्तान है। परन्तु (ण) के अधीन निहंरता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने के तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान हैं। अब तक एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावी होता है।

यह कि विकास खण्ड नालागढ़ ने अपने पत्र संख्या डी० बी० पं० (पंच) 2003-5800, दिनांक 5-2-2003 द्वारा सूचित किया है कि श्री पवन कुमार सदस्य, ग्राम पंचायत मजली, वार्ड नं० 6, विकास खण्ड नालागढ़,

जिला सोलन (हि० प्र०) के 8 जून, 2001 के पश्चात् तीन से अधिक चौथी सन्तान दिनांक 14-9-2002 को हुई है। जिसके कारण हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) के प्रावधान अनुसार सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य हो गए हैं।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप इस नोटिस के प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त वर्णित अयोग्यता के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाए।

सोलन, 5 मार्च, 2003

संख्या सोलन-3-76 (पंच)/2003.1145-50—यह कि श्रीमती मीना देवी सदस्या, ग्राम पंचायत पट्टा-बरावरी, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड सोलन (हि० प्र०) पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ण) की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। जो कि निम्न प्रकार है :

(ग) यदि उसके दो से अधिक सन्तान हैं। परन्तु (ण) के अधीन निरर्हता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथा स्थिति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान हैं। अब तक एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावी होता है।

यह कि विकास खण्ड सोलन, ने अपने पत्र संख्या V-(20)/2001-पंच-334 दिनांक 11-2-2003 द्वारा सूचित किया है कि श्रीमती मीना देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत पट्टा-बरावरी, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड सोलन, जिला सोलन (हि० प्र०) के 8 जून, 2001 के पश्चात् दो से अधिक तीसरी सन्तान दिनांक 29-6-2002 को हुई है। जिसके कारण हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) के प्रावधान अनुसार सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य हो गई है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप इस नोटिस के प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त वर्णित अयोग्यता के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

सोलन, 5 मार्च, 2003

संख्या सोलन-3-76(पंच)/2003.—यह कि श्री अमर सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत नेरीकला, विकास खण्ड सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ण) की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। जो कि निम्न प्रकार है :

(ग) यदि उसके दो से अधिक सन्तान हैं। परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरर्हता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथा स्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान हैं। अब तक एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावी होता है।

यह कि विकास खण्ड अधिकारी, सोलन ने अपने पत्र संख्या V (20)/2001 (निर्वाचन) पंच-334, दिनांक 11-2-2003 द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री अमर सिंह, सदस्य, ग्राम पंचायत नेरीकलां, विकास खण्ड सोलन, हिमाचल प्रदेश के 8 जून, 2001 के पश्चात् तीसरी सस्तान दिनांक 23-5-2002 को हुई है। जिसके कारण हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) के प्रावधान अनुसार सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य हो गए हैं।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त वर्णित अयोग्यता के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1)(क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाए।

हस्ताक्षरित/-

उपायुक्त,

जिला सोलन (हि० प्र०)।